

माई आये लंगुरिया- चौक मे हो- मर्कट ॥२॥

चम्पा- चमेली- वन केवड़ारे- बेला कचनार
रेशम डोर लगाई- मैया पहिनो हार

आये लंगुरिया-----

मंगल कलश जलायें रे- जामें ज्योत अपार
रो-रो लुम्हें निहारें- बही अंसुअन धार

आये लंगुरिया-----

चंदन- हिडोला झूल रहीं- जग की दातार
रेंसी- फिरकनी मारें- पाये कोई ने पार

आये लंगुरिया-----

नोई बहिनें संग झूल रहीं- किलकारी मार
धन्य हैं भाग हमारे- दिखे चरण लुम्हार

आये लंगुरिया-----

दास "श्रीबाबाश्री" शरण मे मर्कट दया करो करतार
आवा- गमन- मिटा दो- सुनो विनय हमार

आये लंगुरिया-----

माई आये-----